यह है बहुत खराब स्वभाव

ब्र.कु. जगदीशचन्द हसीजा

आजकल एक शब्द हमारी बातचीत में बार-बार आता है कि यह आपकी दुआ है, इसके लिए आपकी दुआ चाहिए, यह बड़ों की दुआ है। दुआ शब्द का इतना प्रयोग पहले नहीं था। होते-होते अभी काफी अधिक हो गया है। चलो, यह मानकर चलते हैं कि हम योगी लोग हैं, पवित्र लोग हैं, भगवान के बने हैं, उसकी आज्ञा पर चलते हैं, उनकी दुआ काम करती है। वो कुछ हमारे प्रति अच्छी भावना रखें तो वो भी सहायक होती है। ऐसा मान लेते हैं। फिर इसका मतलब यह भी तो निकलता है कि कोई ब्राह्मण कुलभूषण किसी के प्रति कुछ बुरा सोचता है, उसकी बद्दुआ भी लगती होगी। अगर दुआ होती है तो बद्दुआ भी होती होगी। मन में किसी के प्रति ऐसा है कि इसने हमें बहुत दुःखी कर रखा है, हम इससे बहुत परेशान हैं, इसने हमारे जीवन में बहुत क्लेश पैदा किया हुआ है, यदि ऐसी भावना निकलती होगी तो बद्दुआ भी निकलती होगी। कोई-कोई दुर्वासा ऋषि भी होंगे। अगर हम किसी को शत्रु मान लेंगे और हमारे मन में उसके प्रति दुर्भावना आ जायेगी, सद्भावना की बजाय, शुभ-आशय के बजाय तो इसका उस पर असर तो होगा, हम चाहें या न चाहें। कइयों को हमने मुख से स्पष्ट कहते हुए देखा है, जिससे उनकी अनबन हो, जिससे उनको दुःख होता हो, उसको बोल-बोलकर कहते भी हैं कि इसका ऐसा हो, वैसा हो। कई वचन तक नहीं कहते होंगे लेकिन मन में आता होगा कि उस आत्मा का, उस व्यक्ति का नुकसान हो। अगर दो-तीन, चार-पाँच साल तक उस व्यक्ति के प्रति इसने ऐसा सोचा तो यह बहुत घातक होगा। अगर आदमी किसी को तलवार मारता है तो सबसे पहले मन में सोचता है कि इसको तलवार मारूँ। बहुत लोगों ने कहा है कि जब आप मन में सोचें कि यह बुरा काम करें, तो वो बुरा काम हो ही गया। सिर्फ एक कदम का फासला रहा, अगर आपको मौका मिलता या और कोई रुकावट पेश नहीं आती तो आप कर ही डालते। इसका मतलब है कि मन से सोचना भी आधे करने के बराबर तो हुआ। किसी व्यक्ति के बारे में आपने बुरा सोचा माना उस व्यक्ति का आधा बुरा तो आपने किया ना? अगर किसी के प्रति शत्रुभाव रखेंगे, पाप करते रहेंगे और दुःख देने के संकल्प करते रहेंगे तो बाबा ने कहा है कि दुःख दोगे तो दुःखी होके मरोगे इसलिए न दुःख दो और न दुःख लो। फिर भी यदि हम उसको अपना शत्रु समझकर और ही दुःख दे रहे हैं तो इसके परिणामस्वरुप उसके मन में भी हमारे प्रति दुःख देने का चिन्तन चलता है। योग करके हम जो थोड़ी-सी कमाई, थोड़ी-सी शक्ति अर्जित करते हैं उस शक्ति से किसी का घात करने के लिए तुले हुए हों तो आप सोचिये योगी बनने का क्या फायदा हुआ? किसी को पिस्तौल दी जाती है सुरक्षा के लिए। परन्तु यदि वह घर वालों को ही बन्दूक मारने लगे तो क्या कहेंगे उसको? ऐसा ही हाल हमारा हो गया। अतः शत्रुता का भाव, वैर का भाव, घृणा का भाव, द्वेष का भाव, ईर्ष्या का भाव, किसी के प्रति कटुता का भाव सबसे बड़ा खराब भाव है। आप कितनी भी कोशिश कर लीजिये, एक हफ्ता लगातार योग में बैठे रहिये लेकिन आप योग में टिक नहीं सकते। मन सिंहासन है, इस सिंहासन पर एक ही राजा बैठ सकता है। एक नगरी का एक राजा होता है। इस मन रुपी सिंहासन पर शिव बाबा को बिठा दीजिये या शत्रु को बिठा दीजिये। किसी व्यक्ति के प्रति शत्रु का भाव रखेंगे, घृणा-द्वेष का भाव करेंगे तो शिव बाबा वहाँ से चले जायेंगे। अगर आपने शिव बाबा को बिठाया तो शत्रु भाव आ नहीं सकता। क्योंकि बाबा ने कहा हुआ है, बाबा-बाबा कहोगे तो माया भाग जायेगी। अगर मन रुपी सिंहासन पर बाबा को बिठायेंगे तो शत्रु के लिए जगह ही नहीं रहेगी। अब आप ही सोच लीजिये कि दोनों में से आप किस को पसन्द करते हैं।

योगी व्यक्ति परमात्मा से योग लगाना चाहता है क्योंकि उसके मन का मीत वही है। उसकी बजाय यदि वह यह समझता है कि फलाने ने मुझे तंग किया है, फलाने ने मुझे परेशान किया है, फलाना व्यक्ति खराब है तो वह अपना ही अकल्याण कर लेता है। कहा गया है कि आत्मा अपना ही मित्र, अपना ही शत्रु है। हम स्वयं ही अपने से शत्रुता कर रहे हैं, और कोई नहीं कर रहा है। इसलिए सबसे पहली जो बात है हमारे योगी जीवन की, वो है सब के प्रति शुभ-भावना और शुभ-कामना। इसको हम साधारण बात समझते हैं। शुभ-भावना माना सबका भला हो। सबका भला हो, जब तक हमारे मन में यह भाव नहीं है, हम योगी ही नहीं हैं। इसलिए गीत में कहा गया है, योगी वही है जिसका कोई शत्रु नहीं है। यह हमें बिल्कुल पूरी रीति से पता होना चाहिए।

कोहिमा-नागालैंड। होली के अवसर पर नागालैंड के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी एवं उनकी धर्मपत्नी से मुलाकात कर ब्र.कु. रूपा बहन,संचालिका,कोहिमा तथा नागालैंड के अन्य क्षेत्र ने उन्हें शॉल पहनाने एवं ज्ञान चर्चा के पश्चात् होली का तिलक लगाया और प्रसाद देने के साथ ही राजयोग मेडिटेशन कोर्स करने के लिए स्थानीय सेवाकेन्द्र एवं माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया।

मुम्बई-गोराई। अथर्व फाऊंडेशन के अध्यक्ष व बोरिवली भाजपा के विधायक सुनील राणे तथा उपाध्यक्ष श्रीमति वर्षा राणे द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रबोधनकार ठाकरे नाट्य मंदिर,बोरिवली वेस्ट में आयोजित 'वुमेन अचीवर अवॉर्ड्स 2022' में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पारुल बहन को आध्यात्मिकता के द्वारा समाज में शांति एवं सद्भावना स्थापित करने के क्षेत्र में योगदान के लिए 'नारी शक्ति पुरस्कार' से सम्मानित करते हुए सुप्रसिद्ध अभिनेत्री निहारिका रायजादा तथा ब्राइट आउटडोर मीडिया के चेयरमैन योगेश लखानी। इस मौके पर अभिनेत्री अमृता खानविलकर, महक चहल, चांदनी शर्मा, समायरा संधु, स्नेहा गुप्ता व जसलीन कौर, नॉर्थ मुम्बई से सांसद गोपाल शेट्टी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चिलोडा-गांधीनगर(गुज.)। एयर फोर्स ब्रिगेडियर मुथु कुमार, एसएम.पीएच.डी., सीई,एएफ, गांधीनगर को ओआरसी,गुरुग्राम में आयोजित होने वाले सिक्योरिटी सर्विस विंग के कार्यक्रम के लिए निमंत्रण देते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. तारा दीदी। साथ हैं कर्नल बी.के. गणेश तथा ब्र.कु. श्रुति बहन।

मौदा-महा.। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'महिलाएं : नए भारत की ध्वजवाहक' कार्यक्रम में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अर्चना बहन, सॉफ्ट स्किल ट्रेनर कोमल हटवार, डॉ. वैभव जैसवाल, डॉ. नीलिमा घाटाले आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में डॉ. श्रुति खनते, डॉ. नगराले, ज्योति ढोमने, तृप्ति निम्जे, ब्र.कु. विमल बहन, ब्र.कु. अर्चना मेहर सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे।

मुम्बई-मीरा रोड। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चैतन्य झाँकी से युक्त 'सुरक्षित भारत-सड़क सुरक्षा मोटर साइकिल यात्रा' के शुभारंभ कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष रवि व्यास। साथ हैं बोरीवली ज़ोन संचालिका ब्र.कु. दिव्या बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रंजन बहन तथा अन्य गणमान्य लोग।

रतलाम-डोंगरे नगर(म.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित 'महिलाएं : नए भारत की ध्वजवाहक' परिचर्चा का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए कांग्रेस नेत्री व वकील अदिति दवेसर, तहसीलदार रूपाली जैन, जागृत नारी समिति की अध्यक्ष सीमा टाक, पतंजलि योग शिक्षिका आशा दुबे, नवकार महिला मंडल की संस्थापक अल्का कटारिया, नवकार महिला मंडल की अध्यक्ष उषा भंडारी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता बहन, वेस्टर्न रेलवे इम्प्लॉएज़ यूनियन रतलाम की सचिव व हिन्दुस्तान सभा मध्य प्रदेश की सेक्रेट्री रंजीता वैष्णव, इंजीनियर खुशबू राजावत तथा अन्य।

नवसारी-जलालपुर रोड(गुज.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में संगीता बहन,ट्रस्टी,श्री ममता मंदिर स्कूल, ब्र.कु. भानू बहन तथा अन्य।

महासमुंद-छ.ग.। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग सदस्य अनिता रावटे, डिप्टी कलेक्टर सृष्टि चंद्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रीति बहन तथा अन्य।

सांगानेर-राज.। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पूजा बहन को गेस्ट ऑफ ऑनर देते हुए स्नेह पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. अनुपमा माहेश्वरी।

खजुराहो-म.प्र.। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत 'मेरी संस्कृति मेरी पहचान' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में छतरपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या बहन, क्षत्राणी संगठन अध्यक्ष किरण चंदेल, महिला मोर्चा अध्यक्ष कल्पना सिंह चौहान, करणी सेना उपाध्यक्ष नविता सिंह, कवियत्री ममता सिंह बुंदेला, एडवोकेट मीनाक्षी सिंह, स्कूल डायरेक्टर वीणा जैन, ब्लॉक अध्यक्ष रश्मि परमार, बीजेपी नेता अंजली पांडे, वंदना सिंह एवं रश्मि बघेल, सूर्या होटल से शिल्पी जैन, रचना पटैरिया सहित समाज की प्रतिष्ठित महिलाएं मौजूद रहीं। इस मौके पर आयोजित पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता के तहत महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों की पारंपरिक पोशाक पहनकर आईं। ब्र.कु. नीरजा बहन, ब्र.कु. पिंकी बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

राजनांदगांव-छ.ग.। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' परियोजना के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'श्रेष्ठ भारत के लिए सशक्त नारी' विषय पर ब्रह्माकुमारीज़ के 'वरदान भवन' लालबाग में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति गीता घासी साहू, राजनांदगांव एवं कबीरधाम स्थित सेवाकेन्द्रों की संचालिका ब्र.कु. पुष्पा बहन, एडिशनल एस.पी. श्रीमति सुरेशा चौबे, समाजसेवी श्रीमति शारदा तिवारी, गुजराती महिला मंडल की अध्यक्ष निशा ठक्कर, ब्र.कु. प्रभा बहन, कस्तुरबा महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष सरस्वती देवी लोहिया, अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष शशि खोखरिया, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष शीला गांधी सहित अनेक प्रतिष्ठित महिलायें एवं अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।